an>

Title: Need to review the decision for mandatory production of permanent account number for cash purchase of jewellery worth over Rs. One Lakh.

श्री धनंजय महाडीक (कोल्हापुर): माननीय अध्यक्ष महोदया, भारत सरकार के 2015-16 के आम बजट से 01 अप्रैल, 2015 से अगर कोई ग्राहक एक लाख के ऊपर सोना-चांदी खरीदता है, तो उसके लिए पैन कार्ड अनिवार्य कर दिया गया है। ...(व्यवधान) केन्द्र सरकार के इस निर्णय की वजह से देश के नागरिकों और जौहरी/ज्वैलर्स को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा क्योंकि देश के सभी नागरिकों विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के पास पैन कार्ड नहीं होता है। भारत खेती प्रधान देश है। यहाँ पर 67 प्रतिशत लोग किसान हैं क्योंकि कृषि उत्पादों पर इनकम टैक्स नहीं लगता। इस वजह से इनमें से ज्यादातर लोगों के पास पैन कार्ड नहीं होता। ...(व्यवधान)

एन.आर.आई. लोगों के पास पैन कार्ड नहीं होता। इसलिए वह यहाँ आभूषण नहीं खरीद पाएंगे। हमारे देश की महिलाएं बचत के लिए आभूषणों की खरीद करती हैं। इनके पास भी पैन कार्ड नहीं होगा। कोई ग्राहक अगर एक लाख के ऊपर आभूषण खरीदेगा और उसके पास पैन कार्ड नहीं होगा तो दुकानदार उसे अपना माल नहीं बेच पाएगा। परिणामस्वरूप बिजनेस ठप्पशायी हो जाएगा। ...(व्यवधान) शिल्प निर्माता, थोक व्यापारी, ज्वैलर्स, श्रमिक एवं शिल्पकार सभी पर इसका प्रभाव पड़ सकता है। कई लोग अपने रोजगार से हाथ धो बैठेंगे। इस जोखिम भरे निर्णय के कारण इस व्यवसाय में नकद बिक्री बढ़ने की संभावना है। नकद बिक्री बढ़ेगी तो सरकार को वैट और आयकर पर भी इसका असर हो सकता है। ...(व्यवधान) इस निर्णय के कारण बिक्री कम हो जाएगी और माननीय प्रधानमंत्री जी ने "मेक इन इंडिया" का जो नारा दिया है, उस पर इसका असर हो सकता है, भ्रष्टाचार बढ़ सकता है और अन्ततोगत्वा इसका असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी हो सकता है। ...(व्यवधान)

एक सर्वे के अनुसार भारत में सिर्फ 15 प्रतिशत लोगों के पास पैन कार्ड हैं। इसका मतलब यह होगा कि 85 प्रतिशत लोगों को आभूषण खरीदने का हम हक नहीं दे रहे हैं। ...(व्यवधान) आम आदमी के घर में बचत के लिए सैकड़ों वर्षों से आभूषण और गहनें खरीदे जाते हैं और खरीदा हुआ आभूषण कई साल तक बचत के तौर पर रखा जा सकता है। ...(व्यवधान)

अतः सदन के माध्यम से मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि उपरोक्त निर्णय को वापस लिया जाए और इस व्यवसाय को सभी के लिए सुलभ बनाया जाए। ...(व्यवधान)